

कार्यकारणी संक्षेप

1.0 परियोजना वर्णन

1.1 परिचय–

आदित्य बिरला समूह भारत का दूसरा सबसे बड़ा उद्योग घराना है, इसका एक साल का टर्न ओवर 141 बिलियन है। यह समूह 25 देशों में सीमेन्ट, एल्यूमिनियम, फर्टिनाइजर्स, बिस्कोस स्टेपल फाइबर, टेक्सटाइल्स, पेट्रोलियम रिफाइनरी, पॉवर, टेलीकम्यूनिकेशन, ओद्योगिक, रासायनिक और वित्तीय सेवाएं देता है।

सीमेन्ट उत्पादन इस समूह का मुख्य व्यवसाय है, और समूह को इसका 50 प्रतिशत टर्नओवर प्रदान करता है।

आवेदक मैसर्स आपको इसका 50 प्रतिशत टर्नओवर प्रदान करता है।

आवेदक मैसर्स अल्ट्राटेक सीमेन्ट लि. (पूर्व में ग्रासिम सीमेन्ट) आदित्य बिरला समूह की फ्लेगशिप कंपनी है। वर्तमान में अल्ट्राटेक सीमेन्ट की एक सीमेन्ट उत्पादन इकाई, एक आबद्ध विद्युत संयंत्र के साथ गाँव – रावन, तहसील – सिमंगा, जिला– रायपुर, राज्य छत्तीसगढ़ में कार्यरत है। अ.टे.सी.लि. ने इस विद्यमान इकाई के विस्तार के लिए आवेदन किया है। कंपनी ने एक और नया सीमेन्ट प्लान्ट (क्विलंकर 3.5 मिलियन टन प्रति साल) गाँव– सरकीपार, पीपीराही और सेमारदीह, तहसील– बलोदाबाजार, जिला–बलोदा बाजार, छत्तीसगढ़ में लगाने का प्रस्ताव भी रखा है। प्रस्तावित नई सीमेन्ट इकाई और विद्यमान इकाई के विस्तार से बढ़ी हुई लाइमस्टोन माँग को पूरा करने के लिए अ.टे.सी.लि. गाँव–कुकुरदीह, जिला–बलोदा बाजार, छत्तीसगढ़ में नई लाइमस्टे खान जिसका क्षेत्रफल 251.527 हैक्टेयर व उत्पादन क्षमता 5.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष है, प्रस्तावित कर रहा है।

पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14 सितम्बर, 2006 के अनुसार और संशोधन दिनांक 1 दिसंबर, 2009 के अनुसार यह परियोजना '1' (खनिज का खनन), परियोजना या क्रिया कलाप '1 (a) – (3), श्रेणी (अ)के अन्तर्गत आता है, अतः इसके लिए पर्यावरण व वन मंत्रालय, नई दिल्ली से पूर्व पर्यावरणीय अनापत्ति की आवश्यकता है।

1.2 परियोजना विवरण

सारणी-1

क्रमांक	विवरण	विस्तृत सूचना
अ.	परियोजना की प्रकृति	खनन परियोजना
ब.	परियोजना का आकार	
1.	खनन पट्टा क्षेत्र	251.527 हैक्टेयर (सरकारी भूमि – 3.679 हैक्टेयर, निजी भूमि– 247.84 हैक्टेयर)

कुकुरदीह लाइमस्टोन माइन (एम.एल. क्षेत्र 251.527 है, उत्पादन क्षमता 5.0 एम. टी.पी.ए.)
गाँव –कुकुरदीह, तहसील – बालोदा बाजार, जिला –बालोदा बाजार (छत्तीसगढ़)

कार्यकारणी
संक्षेप

2.	प्रस्तावित उत्पादन क्षमता	5.0 मिलियन टन प्रति वर्ष
स.	स्थान	विवरण
1.	ग्राम	कुकुरदीह
2.	तहसील	बलोदा बाजार
3.	जिला	बलोदा बाजार
4.	राज्य	छत्तीसगढ़
5.	आक्षांश	21 ⁰ , 38 ⁰ 55.57'' से 21 ⁰ 39 ⁰ 51.24 ⁰ उत्तर
6.	देशांतर	82 ⁰ 04' 52.14'' से 82 ⁰ 06' 17.26'' पूर्व
7.	टोपोशीट नम्बर	64 k/2
द	परियोजना क्षेत्र के आसपास का विवरण	
1.	निकटतम गाँव	कुकुरदीह (लगभग 0.4 कि.मी. दक्षिण पूर्व दिशा में)
2.	निकटतम शहर	बलोदाबाजार (लगभग 5.5 कि.मी. पूर्व में)
3.	निकटतम राष्ट्रीय राजमार्ग	एन.एच.- 200 (रायपुर से बिलासपुर) प्रस्तावित खान क्षेत्र से लगभग 27 कि.मी. उत्तर पश्चिम दिशा में)
4.	निकटतम रेल्वे स्टेशन	(भाटापारा रेल्वे स्टेशन लगभग 18.0 कि.मी. उत्तर पश्चिम दिशा में)
5.	निकटत हवाई अड्डा	रायपुर (लगभग 63 कि.मी. दक्षिण पश्चिमी दिशा में)
6.	पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र (राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य जैविक भण्डार, टाईगर रिजर्व आदि)	कोई राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य, जैविक भंडार, टाईगर रिजर्व परियोजना की साइट से 10 कि.मी. त्रिज्या में नहीं है।
7.	आरक्षित वन(10 कि.मी. त्रिज्या क्षेत्र में)	<ul style="list-style-type: none"> ● दाबादीह आरक्षित वन (लगभग 2.5 कि.मी. दक्षिण दिशा में) ● मोहतारा आरक्षित वन (लगभग 9कि. मी. उत्तर पूर्व दिशा में) ● सोनबरसा व लातवा आरक्षित वन (लगभग 5 कि.मी. उत्तर पूर्व दिशा में)
	जल निकाय	<ul style="list-style-type: none"> ● महानदी नहर (लगभग 0.5 कि.मी. उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा में)

कुकुरदीह लाइमस्टोन माइन (एम.एल. क्षेत्र 251.527 है, उत्पादन क्षमता 5.0 एम. टी.पी.ए.) गाँव –कुकुरदीह, तहसील – बालोदा बाजार, जिला –बालोदा बाजार (छत्तीसगढ़)	कार्यकारणी संक्षेप
--	-----------------------

		<ul style="list-style-type: none"> • कुकुरदीह तालाब (लगभग 0.2 कि. मी. दक्षिण पूर्व दिशा में) • खोरसी नाला (लगभग 7.0 कि.मी. पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा में) • जमुनिया नदी (लगभग 9.0 कि.मी. उत्तर पश्चिम दिशा में) • बंजारी नाला (लगभग 4.6 कि.मी. पश्चिम दिशा में)
8.	भूकंपीय विवरण	क्षेत्र-II (आई.एस. 1893 पार्ट-I:2002 के अनुसार)
य.	लागत विवरण	
1.	कुल परियोजना लागत	रूपये 150 करोड़
2.	पर्यावरण संरक्षण के उपायों के लिए लागत	पूँजीगत लागत- रूपये 50 लाख
र.	आवश्यकताएँ	
1.	जल की आवश्यकता	215 के.एल.डी. स्रोत भूमिगत जल व खान निर्गत जल
2.	जनशक्ति आवश्यकता	129 व्यक्ति

1.3 खान पट्टे की स्थिति

कुकुरदीह खान का कुल खान पट्टा क्षेत्र 251.527 हैक्टेयर है। खनिज संसाधन विभाग, छत्तीसगढ़, रायपुर द्वारा उनके पत्र क्रमांक दिनांक 13.11.2007 द्वारा प्रारंभिक आशय पत्र ग्रासिम इण्डस्ट्रीज लिमि. (जी.आई.एल.) के नाम पर अनुदानित किया गया है।

अब कंपनी का नाम ग्रासिम इण्डस्ट्रीज लि. से मैसर्स अल्ट्राटेक सीमेन्ट लि. हो गया है, क्योंकि पूर्ण सीमेन्ट व्यवसाय का ग्रासिम इण्डस्ट्रीज लि. से अविलेय होकर अल्ट्राटेक सीमेन्ट लि. में विलेय हो गया है। इसलिए छत्तीसगढ़ सरकार ने कुकुरदीह खान पट्टे का नाम ग्रासिम से मैसर्स अल्ट्राटेक सीमेन्ट में बदलने के लिए इसके पत्र क्रमांक एफ 2-3/2007/12 दिनांक 04.10.2010 द्वारा एक आधिकारिक आदेश जारी किया है।

1.3.1 खननविवरण

सारणी-2

क्रमांक	विवरण	विस्तृत विवरण
1.	खनन पद्धति	ओपेन कास्ट पूर्णतया मशीनीकृत
2.	खनन योग्य भण्डार	96.01 मिलियन टन
3.	खान की जीवन अवधि	18 वर्ष
4.	प्रस्तावित उत्पादन प्रति वर्ष	5.0 मिलियन टन प्रति वर्ष
5.	बेन्च की ऊँचाई व चौड़ाई	ऊँचाई- 6 मी. से 10 मी., चौड़ाई- 30 मी. से ज्यादा (कार्यशील बेन्च)
6.	एलीवेशन रनेज	257 एम. आर. एल. से 272 एम.आर.एल.
7.	सामान्य भूमि स्तर	265 एम. आर. एल.
8.	भूमि जल स्तर	पूर्व मानसून -7 एम.बी.जी.एल.से 12 एम.बी.जी.एल. (258एम.आर.एल से 253 एम.आर.एल) मानसून पश्चात-5 एम.बी.जी.एल. (260 एम.आर.एल.) से 8 एम.बी.जी.एल (257 एम.आर.एल)
9.	अंतिम कार्यशील गहराई	25 एम.बी.जी.एल. (240 एम.आर.एल.)
10.	समग्र गड्ढे ढलान	45 डिग्री
11.	स्ट्रिपिंग अनुपात	1:0.12
12.	कार्यशील दिवसों की संख्या	275 दिन
13.	प्रतिदिन शिफ्टों की संख्या	3
14.	खान की जीवन अवधि समाप्ति पर कुल अपशिष्ट उत्पन्न	<ul style="list-style-type: none"> ऊपरी मृदा - 9.22 मिलियन घन मीटर आंतरिक भार/अपशिष्ट चट्टान-11.9 मिलि. घन मीटर, ढीला, 35 प्रतिशत विस्तार टूटने के बाद अस्वीकृत खनिज/हानि- 10 प्रतिशत (आर.ओ.एम.)

1.3.2 खनन पद्धति

मशीनीकृत ओपेन कास्ट व डीप होल ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग 5.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष लाइमस्टोन उत्पादन के लिए प्रस्तावित पद्धति है। खनिज को पहले साइट पर दलित्र द्वारा चूर्णित किया जाएगा और उसके पश्चात् इस चूर्णित लाइमस्टोन को सीमेन्ट इकाई तक बन्द कन्वेयर बेल्ट द्वारा भेजा जाएगा।

2.0 पर्यावरण का विवरण

2.1 जलवायु विवरण

रायपुर की जलवायु उष्णकटिबंधीय आई व शुष्क है। तापमान गर्मी (मार्च से जून) के अलावा पूरे वर्ष सामान्य रहता है मानसून जून अंतिम से शुरू होकर अक्टूबर प्रारंभ में समाप्त होता है। शीतकाल नवंबर से जनवरी तक रहता है, निम्नतम तापमान 5 डिग्री सेन्टीग्रेड तक गिर सकता है। यहाँ मात्र एक वेधशाला है जिसकी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देखरेख की जाती है। जिले में लगभग 1400 मि.मि. होती है।

जलवायु विज्ञान (अध्ययन के समय: शीतकाल, 2011–2012)

- i) अधिकतम तापमान : 35.0 डिग्री सेन्टीग्रेड
- ii) न्यूनतम तापमान : 6.7 डिग्री सेन्टीग्रेड
- iii) सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)

8 : 30 बजे : 28 प्रतिशत से 98 प्रतिशत

17 : 30 बजे : 20 प्रतिशत से 53 प्रतिशत

2.2 अन्य आधारभूत विवरण

अध्ययन के दौरान व्यापक वायु गुणवत्ता अध्ययन के दौरान व ध्वनि स्तर की जाँच 8 स्थानों पर की गई जबकि जल व मृदा के नमूने 6 स्थानों से लिए गए।

सारणी- 3
आधारभूत आँकड़े
शीतकाल, 2011–2012

क्रमांक	विवरण	विस्तृत विवरण
अ.	व्यापक वायु गुणवत्ता	ओपेन कास्ट पूर्णतया मशीनीकृत
	पी.एम. 10	34.5 माइक्रोग्राम/धन मीटर और 62.32 माइक्रोग्राम/धन मीटर
	सल्फर डाई आक्साइड	6.0 माइक्रोग्राम/धन मीटर और 11.8 माइक्रोग्राम/धन मीटर

कुकुरदीह लाइमस्टोन माइन (एम.एल. क्षेत्र 251.527 है, उत्पादन क्षमता 5.0 एम. टी.पी.ए.) गाँव –कुकुरदीह, तहसील – बालोदा बाजार, जिला –बालोदा बाजार (छत्तीसगढ़)	कार्यकारणी संक्षेप
--	-----------------------

	नाइट्रोजन के ऑक्साइड	7.2 माइक्रोग्राम/धन मीटर और 16.6 माइक्रोग्राम/धन मीटर
ब.	ध्वनि स्तर	
	दिन के समय	50 से 54 एल.ई.क्यू. डेसीबल (अ)
	रात के समय	39 से 44 एल.ई.क्यू. डेसीबल (अ)
स.	भूमि जल गुणवत्ता	
	पी.एच.	7.34 से 7.62
	टी.डी.एस.	322 मि.ग्रा. प्रति ली. से 416 मि. ग्रा. प्रति लि.
	Fluorides	0.43 से 0.68 मि.ग्रा. प्रति ली.
द.	मृदा गुणवत्ता	
	पी.एच.	7.17 से 7.66
	कार्बनिक पदार्थ	0.64 प्रतिशत से 0.72 प्रतिशत

2.3 जैविक पर्यावरण

वनस्पति : अध्ययन क्षेत्र में पाई जाने वाली प्रमुख वृक्ष प्रजातियाँ आमला (*एम्बलिका आफमिसिएलिस*), केर (*अकेशिया कटेचू*) अजुर्न (*टर्मिनेलिया अर्जुना*), चीचवा (*एलबिजिया ओडोरेटिसिमिया*), पीपल (*फाइकस रिलिगिओसा*), बेल (*एगोले मार्मिलोस*), इमली (*टेमेरिन्डस इण्डिका*) बहेरा (*टर्मिनेलिया बेलेरिका*), अकुन्द (*केलेट्रोपिस प्रोसेश*), गुमची (*एबरस परकेटोरियस*), साजा (*टर्मिनोलिया टोमेनटोसा*), कंकेर (*केपेरिस सेपिएरिया*), बबूल (*अकेरिया अरेबिका*), शीशराम (*डलबासिसो*) इत्यादि।

जीव – जन्तु: जीव – जन्तुओं की उपस्थिति अध्ययन क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति व वनस्पति पर निर्भर करती है। अध्ययन क्षेत्र में पाई जाने वाली जीव – जन्तुओं की प्रजातियाँ हैं— भारतीय खरगोश (*लीपस नाइग्रीकोलिस*), भारतीय चूहा (*आर. रैटस*) फाइव स्ट्रिपड गिलहरी (*फनेम्बुलस पेननटी*), सामान्य छिपकली (*केलोटस वर्सिकोलर*), ब्लू रेक पिजन (*कोलंबा लिविया*), घेरलू कौवा (*कोरवास स्पलेनडेन्स*), नील गाय (*बोसेलेफस ट्रेगोकैमेलस*), बुल फ्रॉग (*राना टिग्रीना*), कॉमन बेबलेर्स (*टरडोईडेस काउडेटस*) लिटिल एग्रेट (*एगोटा गर्जेटा*) इत्यादि।

2.4 सामाजिक आर्थिक पर्यावरण

2001 जनगणना के आंकड़ों के अनुसार यहां की जनसंख्या 58483 (बफर जोन के 10 कि.मी. दायरे के लिए) है। अनुसूचित जाति का जनसंख्या में भाग 9183 व अनुसूचित जनजाति का 10113 है।

कुल साक्षरों की संख्या 32011 और कर्मचारी जो वस्तुतः किसी व्यवसाय में हैं उनकी संख्या 24201 है, जिनमें से 17873 मुख्य कर्मचारी हैं व 11139 अत्यल्प कर्मचारी है। शेष 30167 व्यक्ति गैर-श्रमिक श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। कुल घरों की संख्या 11114 है।

3.0 सम्भावित पर्यावरणीय प्रभाव एवं न्यूनिकरण उपाय-

- वायु पर प्रभाव- खनन क्रियाओं (खुदाई, लदान, ब्लास्टिंग, ढुलाई व परिवहन) से उत्पन्न होने वाले मुख्य उत्सर्जन पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन के ऑक्साइड व सल्फर डाई ऑक्साइड है। उचित न्यूनिकरण उपायों का उपयोग किया जाएगा (स्थानान्तरण क्रियाकलापों के समय जल का छिडकाव) व सड़क के किनारे हरित क्षेत्र का विकास प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए किया जाएगा।

- जल पर्यावरण पर प्रभाव- अध्ययन क्षेत्र में कुछ सतही जलाशय हैं (10 कि.मी. के बफर जोन में) दो मौसमी नाले खान क्षेत्र की दक्षिणी सीमा से बाहर जाते हैं व कुकुरदीह तालाब खान क्षेत्र की दक्षिण – पूर्वी सीमा के बिल्कुल बाहर है। कार्य क्षेत्र में पड़ने वाले मासमा जलाशय का नालया बना कर खान क्षेत्र के पास स्थित कुकुरडीट तालाब में मोड़ा जाएगा।

यहां पर और जलाशय भी है जैसे महानदी नहर, खोरसी नाला व जमुनिया नदी खान क्षेत्र से कोई भी दूषित जल बाहरी क्षेत्र में नहीं जाएगा, अतः जलाशयों पर खनन गतिविधियों से कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पूर्व मानसून अवधि में खनन क्षेत्र में जल स्तर 7 से 15 मीटर (258 से 253 एम. आर.एल.) और मानसून पश्चात् 5 से 8 मीटर (260 से 257 एम.आर.एल.) रहता है इस क्षेत्र में सामान्य भूमि स्तर 265 एम.आर.एल. है।

- ध्वनि पर प्रभाव- मुख्य ध्वनि उत्पादक स्रोत ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग व ट्रकों का आवागमन है। ब्लास्टिंग के समय उत्पन्न ध्वनि स्तर बहुत अधिक है परन्तु यह नई टेक्नोलॉजी के उपयोग से निर्धारित सीमा के अन्दर है व सिर्फ कार्य क्षेत्र तक सीमित है।
- भूमि पर प्रभाव – ओपनकास्ट माईनिंग गतिविधियाँ पट्टा क्षेत्र के भूआवरण को बदल देगा और उसके आस-पास के सतही रूप पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। कार्य समाप्ति के पश्चात् कार्य क्षेत्र की बैंक फिलिंग की जाएगी व बाद में वृक्षारोपण के द्वारा सुधार किया जाएगा। उपरी मृदा, अस्वीकृत खनिज व उत्पन्न अपशिष्ट को

कुकुरदीह लाइमस्टोन माइन (एम.एल. क्षेत्र 251.527 है, उत्पादन क्षमता 5.0 एम. टी.पी.ए.) गाँव –कुकुरदीह, तहसील – बालोदा बाजार, जिला –बालोदा बाजार (छत्तीसगढ़)	कार्यकारणी संक्षेप
--	-----------------------

अलग रखा जाएगा व इसे खनन क्षेत्र में बैकफिलिंग व पौधारोपण के काम में लिया जाएगा। खान क्षेत्र में कोई भी अपशिष्ट एकत्रित नहीं होगा।

वैचारिक स्तर पर कुल खदान क्षेत्र 221.287 हैक्टेयर होगा जिसमें से 113.62 हैक्टेयर की बैकफिलिंग होगी व यहां पौधारोपण किया जाएगा व 107.667 हैक्टेयर क्षेत्र को जलाशय के रूप में विकसित किया जाएगा।

- अध्ययन क्षेत्र में खान क्षेत्र (10 कि.मी. त्रिज्या क्षेत्र में) कोई भी राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य, जैविक भण्डार, टाइगर/एलिफेन्ट रिजर्व नहीं है।

4.0 परियोजना के पश्चात् पर्यावरण आँकलन—

क्रमांक	विवरण	विस्तृत विवरण
1.	मौसम विज्ञान संबंधी आँकडे	प्रतिदिन
2.	व्यापक वायु गुणवत्ता परियोजना क्षेत्र में	त्रैमासिक/अर्द्धवार्षिक
3.	जल गुणवत्ता	त्रैमासिक/अर्द्धवार्षिक
4.	ध्वनि स्तर आँकलन	त्रैमासिक/अर्द्धवार्षिक
5.	मृदा गुणवत्ता	अर्द्धवार्षिक/वार्षिक

5.0 अतिरिक्त अध्ययन

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के पत्र क्रमांक J-11015/274/2010-IA.II (M) दिनांक 28 मार्च, 2011 के द्वारा जारी किए गए टर्म्स ऑफ रेफरेंस के अनुसार अतिरिक्त अध्ययन में जैविक अध्ययन, जलीय-भूवैज्ञानिक अध्ययन व आपदा प्रबंधन योजना शामिल हैं।

6.0 परियोजना लाभ

प्रस्तावित परियोजना गतिविधि से बाजार में सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी अतः इससे देश के आर्थिक विकास में भी सहायता मिलेगी। अ.टे.सी. लि. परियोजना क्षेत्रके आस-पास के गाँवों में होने वाली सी.एस.आर. गतिविधियों में सक्रिय रूप से सम्मिलित हैं। आसपास के गाँवों की आधारभूत संरचनाओं का विकास, शैक्षणिक सुविधाओं का विकास, स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास के लिए लाभदायक रोजगार, स्वास्थ्य जागरूकता

कार्यक्रम व शल्य चिकित्सा शिविर, प्राकृतिक आपदाओं में प्रभावित लोगो का पुर्नवास, सामाजिक-वानिक कार्यक्रमों में सहायता इत्यादि कंपनी का सी.एस.आर. गतिविधियों के मुख्य बिंदु हैं।

7.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना

7.1 वायु गुणवत्ता प्रबंधन

- सभी ढुलाई के रास्तों की चौड़ाई श्रेणीबद्ध की जाएगी वा नियमित जल छिड़काव किया जाएगा।?
- श्रमिकों को डस्ट-मास्क उपलब्ध कराए जाएंगे
- नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाएगी। द्वितीयक (सैकण्डरी) विस्फोटन को रोकने या कम करने के लिए रॉक ब्रेकर द्वारा चट्टानों को तोड़ा जाएगा।
- बेट ड्रिलिंग की व्यवस्था की जाएगी।
- धूल कणों के नियंत्रण के लिए हरित पट्टिका विकास व पौधारोपण किया जाएगा।
- नियमित वायु गुणवत्ता विश्लेषण किया जाएगा।
- गैसीय उत्सर्जन को कम करने के लिए वाहनों का उचित रख-रखाव किया जाएगा।

7.2 जल गुणवत्ता प्रबंधन

पर्याप्त नियंत्रण उपाय अपनाए जाएंगे ताकि न केवल मृदा उपरदन बल्कि खनन जल के अनियंत्रित प्रवाह को रोका जायेगा।

- गारलेण्ड ड्रेन का निर्माण खदान के चारों ओर किया जाएगा कार्य के पश्चात बने गड्ढों में एकत्रित जल का उपयोग पौधारोपण व छिड़काव के लिए किया जाएगा।
- खनन के समय खान में रिस रहे जल को चैनल्स के द्वारा सम्प में भेजा जाएगा व इसे बाद में डीजल या इलेक्ट्रिक पम्प क्षरा निकाला जाएगा।
- खान कार्यालय व केन्टीन व अन्य स्रोतों से आने वाले घरेलू जल को सेप्टिक टैंक में निष्कासित किया जाएगां
- कार्यालय में उत्पन्न अपशिष्ट जल को नियमित एकत्रित करके उपचारित किया जाएगा। ताकि पूर्व निर्धारित मानदण्डों को पूरा किया जा सके।

7.3 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

- अपशिष्ट उपरी मृदा, इन्टरबर्डन व मिनरल रिजेक्ट के रूप में उत्पन्न होगा। उपरी मृदा व अपशिष्ट पदार्थ क्रमश 9.22 मिलियन घन मीटर व 11.9 मिलियन घन मीटर खान की पूरी जीवन अवधि तक उत्पन्न होंगे। अस्वीकृत खनिज/हानि आर.ओ.एम. का 10 प्रतिशत होंगे।

- मृदा व अपशिष्ट को अलग से एकत्रित किया जाएगा व बाद में इसे खान में पौधारोपण व बैक फिलिंग के काम में लिया जाएगा।

7.4 ध्वनि व कंपन नियंत्रण

- ध्वनि स्तर को निर्धारित सीमा में रखने के लिए सभी संभव प्रयास किए जाएंगे।
- ड्रिल ऑपरेटर के लिए बंद केबिन उपलब्ध कराया जाएगा।
- एन.ओ.एन.एल. विस्फोटक सिस्टम से नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाएगी। सैकण्डरी ब्लास्टिंग से बचने के लिए रोक ब्रेकर काम में लिया जाएगा।
- उच्च ध्वनि स्तर वाले क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को इयरमफ्स वा इयर प्लग उपलब्ध कराए जाएंगे।
- खान क्षेत्र व सड़क के किनारे पर पौधारोपण किया जाएगा ताकि ध्वनि के प्रसार को रोका जा सके।

7.5 सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण

बेहतर शिक्षा सुविधाएँ, पर्याप्त चिकित्सा सेवाएँ, सड़क आधारभूत व पीने का पानी मूल सामाजिक आवश्यकताएँ हैं जो मनुष्य के बेहतर जीवन स्तर के लिए आवश्यक हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट लि. उपरोक्त सुविधाएँ मुहैया करवाएगा जो कि स्थानीय लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में मदद करेंगी।

8.0 निष्कर्ष

परिचर्चा के अनुसार यह कहना उचित है कि इस परियोजना से क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि सभी प्रदूषकों को नियंत्रण में रखने के लिए विभिन्न व्यापक उपाय किए जाएंगे। क्षेत्र के चारों ओर हारित वृद्धि का विकास प्रदूषण नियंत्रण तकनीकी के रूप में किया जाएगा व इसके साथ ही विभिन्न प्रदूषक जो कि खान क्षेत्र से निकलेंगे उनका नियंत्रण किया जाएगा।

>>>><<<<